प्रादर्श प्रश्न पत्र 2013–14
विषय – सामान्य हिन्दी
कक्षा – बारहवीं
सेट–ए

समय– 3 घंटे **पूर्णांक– 100**

समय– 3 घंटे **पूर्णांक– 100**

निर्देश–

1. सभी प्रश्न अनिवार्य है।
2. प्रश्न क्र. 1 से 5 तक वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिए है। प्रत्येक प्रश्न के लिए 1 x 5 x 5 = 25 अंक निर्धारित है।
3. प्रश्न क्र. 6 से 16 तक प्रत्येक प्रश्न हेतु 2 अंक निर्धारित है।
4. प्रश्न क्र. 17 से 19 तक प्रत्येक का उत्तर 30 से 75 शब्दों में लिखिए। प्रत्येक प्रश्न हेतु 3 अंक निर्धारित है।
5. प्रश्न क्र. 20 से 25 तक प्रत्येक का उत्तर 75 से 120 शब्दों में लिखिए। प्रत्येक प्रश्न हेतु 4 अंक निर्धारित है।
6. प्रश्न क्र. 26 से 27 तक प्रत्येक का उत्तर 120 से 150 शब्दों में लिखिए। प्रत्येक प्रश्न हेतु 5 अंक निर्धारित है।
7. प्रश्न क्र. 28 का उत्तर लगभग 200 से 250 शब्दों में निर्धारित है इसके लिए (7+3) 10 अंक निर्धारित है। जिसमें अ में 7 अंक एवं ब में 3 अंक।

प्रश्न 1. निम्नलिखित रिक्त स्थानों की पूर्ति दिये गये विकल्पों में से उचित शब्द का चयन कर कीजिए।

1. अपेक्षा का अर्थ.....है।

(अभिलाषा / अवमानना)

2. अनल का पर्यायवाची.....है।

(आग / हवा)

3. यशोधरा ने बसंत.....को कहा गया है।

(यशोधरा / सिद्धार्थ)

4. विश्व की शुभकामना.....को कहा है।

(माँ / गुरू)

5. कांति अपने मित्र को.....ले गया।

(आगरा, दिल्ली)

प्रश्न 2. निम्नलिखित कथनों के लिए सही विकल्प का चयन कर लिखिए –

(1) 'मां' कविता के कवि है –

(अ) सूर्यकांत त्रिपाठी निराला (ब) बालकवि बैरागी

(स) तुलसीदास (द) मैथिलीशरण गुप्त

(2) जिसमें प्रथम पद संख्यावाची विशेषण तथा दूसरा पद विशेष्य हो उसे कहते है –

(अ) अव्ययी भव समास (ब) द्विगु समास

(स) द्वंद्व समास (द) तत्पुरूष समास

(3) द्वन्द समास का उदाहरण है –

(अ) माता–पिता (ब) यथासमय

(स) त्रिभुज (द) महाशैल

(4) हिन्दी गद्य साहित्य के जनक माने जाते है –

(अ) लल्लू लाल (ब) मुंशी प्रेमचन्द्र

(स) रामचन्द्र शुक्ल (द) भारतेन्दु हरिशचन्द्र

(5) राष्ट्रीय चेतना का प्रकटीकरण किस कविता में हुआ है –

(अ) हम कहां जा रहे है (ब) मां

(स) जागो फिर एक बार (द) यशोधरा की व्यथा

प्रश्न 3. निम्नलिखित कथनों से सत्य/असत्य छांटकर लिखिए –

1. शून्य का आविष्कार भारत में हुआ है।
2. भूषण ने बाण को सर्पिणी कहा है।
3. राष्ट्रमाता लक्ष्मीबाई को कहा गया है।
4. सुत शब्द पुत्र के लिये प्रयुक्त होता है।
5. यह वही आदमी है जिसे हमने देखा है – मिश्र वाक्य है।

प्रश्न 4. स्तंभ ''क'' से ''ख'' का मिलान कर सही जोड़ी बनाइए –

	क	–	**ख**
(1)	दशमलव पद्धति	–	भास्कराचार्य
(2)	गणितज्ञ	–	पृथ्वी और अग्नि
(3)	सूर्य सिद्धांत	–	आर्यभट्ट
(4)	मिसाइलें	–	सुश्रुत
(5)	शल्य क्रियाएं	–	रामानुजम्

प्रश्न 5. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में लिखिए –

1. 'गणित का प्रश्न सरल नहीं है।' किस प्रकार का वाक्य है?
2. 'अपना उल्लू सीधा करने' का अर्थ क्या है?
3. आंखों से बहने वाले आंसू क्या व्यक्त कर देते है?
4. तापत्रय कौन–कौन से है?
5. भारतीय सेना में कौन–कौन सी स्वदेशी मिसाइल शामिल की गई?

प्रश्न 6. चाची ने मां के पास जाकर क्या कहा था?

अथवा

सिरचन रेलवे स्टेशन पर मानू से मिलने क्यों गया था?

प्रश्न 7. बालक ने दयालु महिला से क्या प्रश्न किया?

अथवा

कन्याकुमारी में कौन–कौन से समुद्र का मिलन होता है?

प्रश्न 8. द्विवेदी युग की कोई दो विशेषताएं लिखिए।

अथवा

शुक्ल युग की कोई दो विशेषताएं लिखिए।

प्रश्न 9. निबंध के प्रमुख भेदों के नाम लिखिए।

अथवा

भारतेन्दु युगीन दो निबंधकारों एवं उनकी एक–एक रचना का नाम लिखिए।

प्रश्न 10. निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध कीजिए। कोई–दो

1. तुम तुम्हारी किताब खोलो।
2. रविवार के दिन छुट्टी रहती है।
3. राम या श्याम गए होंगे।

अथवा

निर्देशानुसार वाक्य बदलिए। कोई–दो

1. दरिद्र होने पर भी वह ईमानदार है। (संयुक्त वाक्य)
2. वह परीक्षा में उत्तीर्ण नहीं होगा। (विधिवाचक)
3. आलसी व्यक्ति उन्नति नहीं कर सकता। (प्रश्नवाचक)

प्रश्न 11. संयुक्त वाक्य की परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए।

अथवा

निम्नलिखित के समास विग्रह कर उनके नाम लिखिए। कोई–दो

1. मंत्रीपुत्र
2. छोटा–बड़ा
3. पंचवटी

प्रश्न 12. निम्नलिखित भिन्नार्थक शब्दों का अलग–अलग अर्थों में प्रयोग करते हुए वाक्य बनाइये। कोई–दो

अन्न – अन्य

ओर – और

पवन – पावन

अथवा

निम्नलिखित मुहावरों का अर्थ लिखकर वाक्यों में प्रयोग कीजिए। कोई–दो

1. कलई खुल जाना।
2. चार चांद लगना।
3. आसमान सिर पर उठाना।

प्रश्न 13. निम्नलिखित शब्दों के दो–दो पर्यायवाची लिखिए। कोई–दो

अग्नि, पर्वत, राजा

अथवा

निम्नलिखित शब्दों के विरूद्धार्थी लिखिए। कोई–दो

उपयुक्त, अमीर, यश

प्रश्न 14. समास किसे कहते है? उदाहरण सहित लिखिए।

अथवा

लोकोक्ति और मुहावरे में कोई दो अंतर लिखिए।

प्रश्न 15. ''मन के हारे, हार है, मन के जीते जीत'' पंक्ति का भाव पल्लवन कीजिए।

अथवा

'अब पछताए होत का, जब चिड़िया चुग गई खेत'। पंक्ति का भाव पल्लवन कीजिए।

प्रश्न 16. यशोदा अपने आपको कृष्ण की धाय क्यों कहती है?

अथवा

कवि मोतियों के हार के माध्यम से क्या संदेश देना चाहता है?

प्रश्न 17. सिरचन कौन–कौन सी वस्तुएं बनाना जानता था?

अथवा

पुस्तकें पढ़ने की आदत कम क्यों होती जा रही है?

प्रश्न 18. हिमालय को धरती का ताज क्यों कहा गया है?

अथवा

कवि मां से क्या कामना करता है?

प्रश्न 19. लेखिका को सबसे छोटे लड़के पर दया क्यों आई?

अथवा

पार्वती जी का नाम कन्याकुमारी क्यों पड़ा?

प्रश्न 20. 'लोग भरम हम पे करें तातै नीचे नैन' पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए।

अथवा

रहीम ने सच्चा मित्र किसे कहा है?

प्रश्न 21. गांधी जी का आधी शिक्षा से क्या अभिप्राय था?

अथवा

बल और बुद्धि में क्या पारस्परिक संबंध है?

प्रश्न 22. हिमालय और हम कविता का केन्द्रीय भाव लिखिए।

अथवा

हम कहां जा रहे है कविता में कवि क्या संदेश देना चाह रहा है?

प्रश्न 23. 'पुस्तक' नामक निबंध के आधार पर समझाइये कि पुस्तकें किन षड़यंत्रों की शिकार होती है?

अथवा

अतीत में शिक्षा के क्षेत्र में भारत को उन्नत क्यों कहा गया?

प्रश्न 24. निम्नांकित पद्यांश की संदर्भ एवं प्रसंग सहित व्याख्या कीजिए।

जसुमति मन अभिलाष करै।
कब मेरा लाल घुटुरूवनि रैंगे कब धरती पग द्वैक धरै।
कब द्वै दांत दूध के देखो, कब तोतरैं मुख वचन झरै।
कब नंदहि बाबा कहि बौलै, कब जननी कहि मोहि ररै।
कब मेरौ अंचरा गहि मोहन, जोई सोई कहि मोसो झगरै।

अथवा

निकसत म्यान तै, मयूखै प्रलैभानु कैसी,
फारैं तमतोम से गयंदुन के जाल को।
लागति लपटि कंठ बैरिन के नागिनी सी,
रूद्रहि रिझावै दै–दै मुडन के माल को।
लाल क्षितिपाल छत्रसाल महाबाहु बली,
कहा लौ बखान करौ तेरी करवाल को।

प्रश्न 25. निम्नांकित गद्यांश को पढ़कर नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

सफल जीवन के लिये मनुष्य को केवल दो साधन प्राप्त है, एक है स्वावलंबन और दूसरा संचित धन। स्वावलंबन उसकी निजी संपत्ति है तथा उसके व्यक्तित्व से संबंध रखती है समाज द्वारा संचित धन में पूर्वजों द्वारा अर्जित धन तथा चल–अचल संपत्ति है इन दोनों साधनों में से स्वावलम्बन अधिक महत्वपूर्ण है। जीवन निर्माण उन्नति उत्थान प्रगति सफलता, विजय सिद्धि का एक मात्र तरीका स्वावलम्बन है यही हमारा भाग्य विधाता तथा जीवन निर्माता है।

प्रश्न 1. उपयुक्त गद्यांश का सारांश लिखिए।

प्रश्न 2. उपयुक्त गद्यांश का शीर्षक लिखिए।

प्रश्न 26. निम्नांकित पद्यांश को पढ़कर नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

चारू चंद्र की चंचल किरणें खेल रही है जल थल में,
स्वच्छ चांदनी बिछी हुई है अवनि और अंबर तल में,
पुलक प्रकट करती है धरती, हरित तृणों की नोको से,
मानो झूम रहे है तरू भी, मंद पवन के झोकों से।

प्रश्न 1. इस पद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए।

प्रश्न 2. चांदनी कहां फैली हुई है?

प्रश्न 3. रेखांकित पंक्ति का अर्थ लिखिए।

प्रश्न 27. सचिव, माध्यमिक शिक्षा मण्डल, भोपाल को दसवीं बोर्ड परीक्षा की अंकसूची की द्वितीय प्रति प्राप्त कराने हेतु आवेदन पत्र लिखिए।

अथवा

समाचार पत्र पढ़ने की उपयोगिता बताते हुए छोटे भाई को पत्र लिखिए।

प्रश्न 28. (अ) निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 200–250 शब्दों में निबंध लिखिए।

1. पर्यावरण प्रदूषण।
2. आतंकवाद।
3. जल ही जीवन है।
4. विज्ञान और मानव।
5. विद्यार्थी और अनुशासन।

(ब) उपरोक्त निबंध विषयों में से किसी एक की रूपरेखा लिखिए।

– – – – – –

आदर्श उत्तर

विषय – सामान्य हिन्दी

कक्षा – बारहवीं

वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर –

उत्तर 1. रिक्त स्थान की पूर्ति –

1. अभिलाषा
2. आग
3. सिद्धार्थ
4. मां
5. आगरा

प्रत्येक सही उत्तर पर 1 अंक कुल 5 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 2. सही विकल्प का चयन –

1. बालकवि बैरागी
2. द्विगु समास
3. माता–पिता
4. भारतेन्दु हरिशचन्द्र
6. जागो फिर एक बार

प्रत्येक सही उत्तर पर 1 अंक कुल 5 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 3. सत्य/असत्य का चयन–

(1) सत्य।

(2) असत्य।

(3) असत्य।

(4) सत्य।

(5) सत्य।

प्रत्येक सही उत्तर पर 1 अंक कुल 5 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 4. सही जोडियां –

	क	**–**	**ख**
(1)	दशमलव पद्धति	–	आर्यभट्ट
(2)	गणितज्ञ	–	रामानुजम्
(3)	सूर्य सिद्धांत	–	भास्कराचार्य
(4)	मिसाइलें	–	पृथ्वी और अग्नि
(5)	शल्य क्रियाएं	–	सुश्रुत

प्रत्येक सही उत्तर पर 1 अंक कुल 5 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 5. एक वाक्य में उत्तर –

1. निषेधवाचक।
2. अपना काम निकालना।
3. ह्रदय का दुख।
4. दैहिक, दैविक और भौतिक।
5. पृथ्वी और अग्नि।

प्रत्येक सही उत्तर पर 1 अंक कुल 5 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 6. चाची ने मां के पास जाकर कहा कि छोटे आदमी का मुंह भी छोटा होता है, मुंह लगाने से सिर पर चढ़ेगा ही। किसी के मायके–ससुराल की बात सिरचन को क्यों करता है?

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

सिरचन मानू को शीतलपाटी, चिक और एक जोड़ी कुश की आसनी देने रेलवे स्टेशन पर गया।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 7. बालक ने दयालु महिला द्वारा दूध दिये जाने पर विनम्रता से दयालु महिला से सवाल पूछा कि इस दूध का मूल्य कैसे चुका पाउंगा।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

कन्याकुमारी में हिन्द महासागर, अरब सागर तथा बंगाल की खाड़ी इन तीन समुद्रों का मिलन होता है।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 8.

1. द्विवेदी युग के निबंधों में उदार राष्ट्रीयता की भावना थी।
2. इस युग में समाज सुधार के निबंध लिखे गये।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

1. शुक्ल युग में गंभीर तथा प्रौढ़ निबंध लिखे गये।
2. भाषा का पूर्णतः विकास हुआ।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 9. निबंध के प्रमुख भेद निम्नलिखित है –

1. भावात्मक
2. विचारात्मक
3. वर्णानात्मक
4. विवरणात्मक

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

भारतेन्दु युगीन लेखक	रचना
1. भारतेन्दु हरिशचन्द्र	अद्‌भूत अपूर्व स्वप्न
2. बालकृष्ण भट्‌ट	आत्मनिर्भरता

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 10. शुद्ध वाक्य –

1. तुम अपनी किताब खोलो।
2. रविवार की छुट्‌टी रहती है।
3. राम या श्याम गया होगा।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

1. वह दरिद्र है, किन्तु ईमानदार है।
2. वह परीक्षा में अनुत्तीर्ण होगा।
3. क्या आलसी व्यक्ति उन्नति कर सकता है?

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 11. जिस वाक्य में एक से अधिक मुख्य उपवाक्य हो उसे संयुक्त वाक्य कहते है। जैसे– मैं रोटी खाकर लेटा ही था कि पेट में दर्द होने लगा।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

समास विग्रह	**समास का नाम**
1. मंत्रीपुत्र – मंत्री का पुत्र	तत्पुरूष समास
2. छोटा–बड़ा – छोटा और बड़ा	द्वन्द समास
3. पंचवटी – पांच वट वृक्षों का समूह	द्विगु समास

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 12. भिन्नार्थक शब्द –

अन्न–धान्य – पृथ्वी अन्न से परिपूर्ण है।

अन्य–दूसरा – गंगा का अन्य नाम भागीरथी है।

ओर–दिशा – श्याम पूर्व की ओर गया।

और–अन्य – राम और श्याम घूमने गये।

पवन–हवा – पवन के झोंकों से पत्ते हिल रहे है।

पावन–पवित्र – मंदिर में पावन मन से जाना चाहिए।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

मुहावरें –

1. कलई खुल जाना – भेद खुल जाना
   प्रयोग– झूठ बोलने वालों की कलई खुल ही जाती है।
2. चार चांद लगाना – अधिक सुंदर बना देना
   प्रयोग– तुम कवि तो अच्छे हो ही तुम्हारे सुरीले गले ने तुम्हारी कविता में चार चांद लगा दिये।
3. आसमान सिर पर उठाना – कोलाहल करना
   प्रयोग– बच्चे किसी भी वस्तु की जिद में आसमान सिर पर उठा लेते है।

उपरोक्तानुसार कोई दो लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 13. पर्यायवाची –

अग्नि – अनल, आग

पर्वत – गिरि, शैल

राजा – भूपति, नृप

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

विरूद्धार्थी –

उपयुक्त – अनुपयुक्त

अमीर – गरीब

यश – अपयश

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 14. समास– दो या दो से अधिक शब्दों को जोड़कर जो नया शब्द बनता है उसे सामासिक पद कहते है और उनके मेल को समास कहते है।

जैसे– यथाशक्ति – शक्ति के अनुसार।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

क्र.	**मुहावरा**	**लोकोक्ति**
1	मुहावरा अपने अर्थ से भिन्न कोई विशेष अर्थ को प्रकट करता है।	लोकोक्ति का अर्थ किसी के द्वारा कही गई बात होती है।
2	मुहावरे भाषा में श्रृंगार करने का काम करते है।	लोकोक्ति केवल कहावत के रूप में प्रयोग होती है।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 15. भाव पल्लवन–

'मन के हारे हार है मन के जीते जीत' – हमें हमेशा खुशियां नहीं मिलती कभी दुख हार निराशा का भी सामना करना पड़ता है। सुख में हम उत्साहित हो जाते है, लेकिन दुख में घोर निराशा के अंधकार में डूब जाते है। कुछ लोग तो हमेशा के लिये हतोत्साहित हो जाते है प्रतिकूल परिस्थितियों में भी हार न मानने वाले जीवनसंग्राम में विजय प्राप्त करते है ऐसे लोग असफलता से भी प्रेरणा लेते है और दुगने उत्साह से कार्य करते हैं।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

'अब पछताए का होत का, जब चिड़िया चुग गई खेत'– समय निकल जाने पर मनुष्य के पास केवल पश्चाताप ही रह जाता है इस पश्चाताप से कोई लाभ नहीं होता। मानव जीवन परिश्रम के द्वारा ही विकास करता है कुछ लोग परिश्रम करना नहीं चाहते और काम को टालते रहते है फिर काम बिगड जाता है तो पछताते है इसलिए प्रत्येक कार्य को समय पर करने वाला व्यक्ति महान एवं सफल माना जाता है।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 16. यशोदा ने कृष्ण को जन्म नहीं दिया था केवल उनका पालन पोषण किया था इसलिए वह अपने आपको कृष्ण की धाय कहती थी।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

कवि कहता है कि जिस प्रकार कीमती मोतियों का हार टूट जाता है तो उसे जोड़कर फिर से पहनने योग्य बना लेते है उसी प्रकार सज्जनों तथा सच्चे मित्रों से संबंध टूट जाने पर उन्हें मना लेना चाहिए।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 17. सिरचन प्रसिद्ध कारीगर था वह मोथी धास तथा पटेर से रंगीन शीतल पाटी, बांस की तीलियों की सुंदर झिलमिलाती चिक, सतरंगे डोरे के मोढ़े, भूसी रखने के लिये मूंज की रस्सी के बड़े–बड़े जाले, हलवाहों को सिर पर रखने के लिये ताड़ के पत्तों की छतरी टोप बनाता था।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 3 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

आज संचार का युग है दूरदर्शन का प्रभाव समाज में बढ़ता जा रहा है। लोग पुस्तक पढ़ने में रूचि नहीं रखते इसलिए पुस्तक पढ़ने की आदत कम होती जा रही है।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 3 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 18. हिमालय भारतीयों के स्वाभिमान का प्रतीक है विश्व में सबसे उंचा है। जिस प्रकार राजा राज्य का स्वामी होता है इसलिए उसके सिर पर मुकुट लगाया जाता है उसी प्रकार हिमालय विश्व में सबसे उंचा है इसीलिये इसे धरती का ताज कहा जाता है।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 3 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

कवि मां से यह कामना करते है कि वह उसे ऐसी शक्ति प्रदान करे जिसके बल पर वह जीवन की कठिनाइयों पर जीत हासिल कर सके। कष्टों में भी जीवन की प्रसन्नता समाप्त न हो। देश की उन्नति के लिय सदैव क्रियाशील रहे।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 3 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 19. छोटे बच्चे को देखकर लेखिका को दया इसलिये आई क्योंकि वह बहुत छोटा था उसे मां के प्यार तथा संरक्षण की सबसे ज्यादा जरूरत थी। बिना मां के तथा भूख से वह रो रहा था गालों पर आसुओं के निशान थे वह फटे–चीथड़े कपड़े पहने हुआ था। बाल रूखे तथा शरीर में मैल की परते थी।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 3 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

विवाह के समय शिवजी के न आने पर पार्वती उदास होकर अपने निवास स्थान पर लौट आयी इसलिए उस स्थान का नाम कन्याकुमारी पड़ा।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 3 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 20. रहीम कहते है कि धन को देने वाला ईश्वर है जो दिन–रात मुझे धन देता है। मैं जब दूसरों को दान देता हूँ तब लोग मुझे दाता मानते है जबकि देने वाला ईश्वर है, इसलिए मेरी नजरे नीची रहती है।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

रहीम के अनुसार जो संकट के समय सहायता करे वही सच्चा मित्र है साथ ही जो उचित मार्ग दर्शन करे, मित्र में गलती हो तो उसे बताए और आगे बढ़ने के लिये सच्चाई के मार्ग को अपनाने की सलाह दी।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 21. गांधी जी को मालुम था कि उनके पुत्र विधिवत शिक्षा प्राप्त नहीं कर पा रहे है तथा इसके लिये पुत्र के मन में असंतोष है इसलिये पत्र के द्वारा पुत्र को समझाते है आधी शिक्षा तो अक्षरज्ञान है और अपनी मां की सेवा करना, असहायों की सहायता करना, भाइयों के प्रति अपने दायित्व को पूर्ण करना तथा चरित्रवान बनना ज्यादा बेहतर है।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

बल और बुद्धि का अटूट संबंध है शरीर तथा आंख के समान बल तथा बुद्धि की स्थिति होती है बिना बुद्धि कौशल से महाबली भी हार जाता है बिना बल के बुद्धि कुछ भी नहीं कर पाती।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 22. इसमें कवि ने भारतीय स्वाभिमान का प्रतीक हिमालय को भारतीय पहचान चिन्ह के रूप में निरूपित किया है देश की भौगोलिक संरचना राष्ट्रीय भावना का आधार है। हिमालय पर्वतों का राजा है इसकी प्राकृतिक छटा अनुपम है। यह सुंदरता भारत की बाहरी तथा आंतरिक सौंदर्य को व्यक्त करने में समर्थ है। यहां वेद की रचना हुई यह अमर है हिमालय के मानवीकरण द्वारा कवि ने राष्ट्रीय भावना को अभिव्यक्त किया है।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

इस कविता के द्वारा बाहरी दिखावा, पाश्चात्य सभ्यता, संस्कृति शैली की नकल करने से हमें रोंकना चाहते है कवि के अनुसार हमारी संस्कृति परम्पराएं और ज्ञान विश्व में श्रेष्ठ है फिर हम क्यों अपनी श्रेष्ठता को ठुकरा रहे है। इस कविता में भारतीयों पर कटाक्ष कर रहे है स्वार्थ के कारण हमने अपनी धरोहर को विदेशी बना दिया है।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 23. पुस्तके प्रायः षड़यंत्रों का शिकार होती है। पुस्तकें तिरस्कृत एवं प्रतिबंधित षड़यंत्रों के कारण होती है। विशेष लेखकों की पुस्तकें जला दी जाती है। पुस्तकों के खिलाफ राजनीतिक, साहित्यिक, धार्मिक ओर भाषायी षड़यंत्र किए जाते हैं। कुछ धूत लोग ग्रंथों में अन्य वाक्यों को जोड़ देते हैं। कहीं–कहीं अनेक वाक्यों को छोड़ देते है।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 3 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

भारत में तक्षशिला एवं नालंदा विश्वविद्यालय शिक्षा के बड़े केन्द्र थे। इन विश्वविद्यालयों में बेबीलोन, ग्रीस, सीरिया, अरेबिया तथा चीन के विद्यार्थी भाषा, व्याकरण, दर्शनशास्त्र, औषधि विज्ञान दस्तावेजीकरण, तंत्र विद्या, संगीत नृत्य तथा गुप्त धन खोजने की विद्या खीसने आते थे।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 3 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 24. पद्यांश की संदर्भ एवं प्रसंग सहित व्याख्या –

संदर्भः– पाठ का नाम– सूर के बालकृष्ण, कवि का नाम– सूरदास।

प्रसंग :– इस पद में अपने लाड़ले के प्रति जो इच्छाएं यशोदा मैया के मन में है उसका वर्णन किया गया है।

व्याख्या :– प्रस्तुत पद में महाकवि सूरदास ने यशोदा मैया के मन की इच्छा का वर्णन करते हुए लिखा है कि माता यशोदा यही इच्छा करती है कि कब मेरा पुत्र कान्हा घुटनों के बल चलेगा और कब धरती पर अपने दोनों पैर रखकर चलेगा, कब मैं उसके मुंह में दूध के दो दांत देखूंगी और कब वह तोतली वाणी से प्यारे बोल बोलेगा। कब वह नन्दबाबा को बाबा कहकर और मुझे मैया कहकर बुलाएगा। कृष्ण कब मेरा आंचल पकड़कर मुझसे कुछ लेने के लिये झगड़ा करेगा।

विशेष :– वात्सल्य रस, अनुप्रास अलंकार, ब्रज भाषा, और माधुर्य गुण देखने को मिलता है।

संदर्भ 1 अंक, प्रसंग 1 अंक व्याख्या 1 अंक विशेष 1 अंक कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

पद्यांश की संदर्भ एवं प्रसंग सहित व्याख्या –

संदर्भः– पाठ का नाम– छत्रशाल प्रशस्ति, कवि का नाम– भूषण।

प्रसंगः– महाकवि भूषण ने महाराज छत्रशाल की युद्ध वीरता का वर्णन किया है।

व्याख्याः– कवि कहते है कि महाराज छत्रशाल जब आपकी म्यान से तलवार निकली है तब उससे प्रलय काल सूर्य की किरणों के समान प्रलयकारी तेज निकलता है। यह तलवार शत्रुदल के हाथियों के झुंडरूपी अंधकार राशि को फाड़ डालती है यह तलवार नागिन के समान शत्रुओं के गले से लिपटकर उन्हें मार डालती है तथा तुण्डों की माला बनाकर काल को अर्पण कर उन्हें प्रसन्न करती है।

विशेषः– वीर रस की प्रधानता है। उपमा एवं अतिश्योक्ति अलंकार का प्रयोग किया गया है।

संदर्भ 1 अंक, प्रसंग 1 अंक व्याख्या 1 अंक विशेष 1 अंक कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 25. अपठित गद्यांश के उत्तर –

उत्तर 1. सारांश– स्वावलंबन हमें सफलता देता है यह हमारी प्रगति में सहायक है जीवन की बनाने वाला स्वावलंबन ही है। यह हमारे व्यक्तित्व से जुड़ा है इसलिये स्वावलंबन को महत्वपूणर्ण मानना चाहिए।

उत्तर 2. स्वावलंबन।

प्रत्येक सही उत्तर पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 26. अपठित पद्यांश के उत्तर –

उत्तर 1. शीर्षक– प्राकृतिक सौंदर्य ।

उत्तर 2. चांदनी धरती और आकाश में फैली हुई है।

उत्तर 3. हरी घास के हिलने से ऐसा लगता है कि धरती भी अपनी खुशी प्रकट कर रही है।

प्रत्येक सही उत्तर पर कुल 5 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 20. **<u>आवेदन पत्र</u>**

प्रति,

श्री सचिव महोदय,

माध्यमिक शिक्षा मण्डल,

भोपाल (म.प्र.)

विषयः– अंकसूची की द्वितीय प्रति भेजने के संबंध में।

महोदय जी,

उपर्युक्त विषय में निवेदन है कि मेरी कक्षा दसवीं की अंकसूची की मूल प्रति कहीं खो गई है। मैंने यह परीक्षा सन् 2006 में उत्तीर्ण की थी। अतः मुझे अंकसूची की द्वितीय प्रति भेजने का कष्ट करें। इसके लिए निर्धारित शुल्क मैंने बैंक ड्राफ्ट क्र. 36680 से आपके कार्यालय में भेजा है। मेरा संपूर्ण विवरण निम्नलिखित हैः–

1. नाम – अनुराग जैन
2. पिता का नाम – श्री महेन्द्र कुमार जैन
3. परीक्षा का नाम – हाई स्कूल सर्टीफिकेट परीक्षा–2006
4. परीक्षा केन्द्र क्र. – 5072
5. परीक्षा केन्द्र का नाम – शा.उ.मा.विद्यालय, बैतूल
6. अनुक्रमांक – 12251376
7. नियमित/स्वाध्यायी – नियमित
8. पूरा पता – अनुराग जैन पिता श्री एम.के. जैन
   सिविल लाइन, बैतूल
   पिन कोड 490002
9. संलग्न बैंक चालान – 20/– दिनांक 21.10.2011

विनीत

अनुराग जैन

(1+3+2 = 5 अंक)

अथवा

5, नेहरू नगर
भोपाल

प्रिय अंश, दिनांक 21.10.2011

सदा प्रसन्न रहो!

तुम्हारा पत्र बहुत दिनों के बाद मिला। पत्र पढ़कर बड़ी प्रसन्नता हुई। तुम्हारे पत्र से यह भी मालूम हुआ कि हायर सेकेण्डरी की परीक्षा में सामान्य ज्ञान में तुम्हें कम अंक प्राप्त हुए हैं जिसके कारण डिवीजन बिगड़ गया है। मैं तुम्हें कई बार समाचार पत्र पढ़ने के लिए कहा करता था, पर तुम नहीं पढ़ते थे। अब तुम्हें समाचार पत्र पढ़ने का महत्व ज्ञात हुआ होगा। वस्तुतः इससे बहुत लाभ मिलते है। देश विदेश में घटने वाली घटनाओं का ज्ञान इससे होता है। स्थानीय खबरे प्राप्त होती है। नौकरियों के विज्ञापन निकलते रहते है, जिनसे बेरोजगारों को नौकरी या रोजगार प्रारंभ करने में सहायता मिलती है। कई उपयोगी बातों की जानकारी भी समाचार के माध्यम से मिलती है तथा इससे हमारे सामान्य ज्ञान में भी वृद्धि होती है। अतः तुम्हें नियमित रूप से समाचार पत्र पढ़ना अपनी दिनचर्या में सम्मिलित करना चाहिए।

शेष सब कुशल है। सभी बड़ों को प्रणाम तथा छोटों को प्यार।

तुम्हारा भाई
सक्षम राठौर

(1+3+2 = 5 अंक)

उत्तर 21. (अ) निबंध–

पर्यावरण प्रदूषण

भूमिका :– वैज्ञानिकों की चिन्ता में दूषित वातावरण रहेगा लक्ष्य, प्रदूषण का सदा, अस्वच्छ पर्यावरण इसकी शक्ति के आगे है झुके सब इसी से खतरे में पड़ा मानव जीवन।

पर्यावरण प्रदूषण एक गंभीर समस्या का रूप ले चुका है। इससे मानव समाज के जीवन–मरण का महत्वपूर्ण प्रश्न जुड़ गया है। हमारा दायित्व है कि समय रहते ही इस समस्या के समाधान के लिए आवश्यक कदम उठायें। यदि इसके लिए आवश्यक उपाय नहीं किये गये तो प्रदूषण युक्त इस वातावरण में मानव जाति का अस्तित्व संकट में पड़ सकता है। आज मनुष्य अपनी सुख सुविधा के लिए प्राकृतिक सम्पदाओं का अनुचित रूप से दोहन कर रहा है, जिसके परिणामस्वरूप ही प्रदूषण की समस्या सामने आई है।

प्रदूषण क्या है? :– सबसे पहले हमारे सामने यह प्रश्न आता है कि प्रदूषण क्या है? जिसने लोगों का जीना हराम कर दिया है। जलवायु व भूमि के भौतिक, रासायनिक या जैविक गुणों में होने वाला कोई भी अवांछनीय परिवर्तन है, जो विकृति को जन्म देता है। एक ओर दुनिया तेजी से विकास कर रही है, जिन्दगी को सजाने–संवारने के नये तरीके ढूंढ रही है। दूसरी ओर वह तेजी से प्रदूषित होती जा रही है। इस प्रदूषण के कारण जीने दूभर होता जा रहा है। आज आसमान जहरीले धुएं से भरता जा रहा है। नदियों का पानी गंदा होता जा रहा है। सारी जलवायु, सारा वातावरण दूषित हो गया है। इसी वातावरण प्रदूषण का नाम है 'पॉल्यूशन'।

प्रदूषण के कारण :– इस समस्या के कारणों पर विचार से ज्ञात होता है कि अणु परमाणु विस्फोटों से फैलने वाली धूलों से वायुमण्डल और पृथ्वीमण्डल सभी विषाक्त हो रहे है जिससे रक्त कैंसर होता है। आज संपूर्ण विश्व तेजी से

औद्योगीकरण की ओर बढ़ रहा है। परिणामस्वरूप पग–पग पर, गांव–गांव, नगर–नगर, कल कारखाने स्थापित होते जा रहे है। इन कारखानों से निकलने वाले सड़े गले पदार्थ, रासायनिक पदार्थ एवं गैसे सभी मिलकर प्रदूषण को भयानक बनाते जा रहे है। नदी, सरोवर, वायुमण्डल सभी दूषित होते जा रहे है। वृक्षों और वनों को काटकर बड़े–बड़े नगर बसाये जा रहे है, भवन और बांध बनाये जा रहे है, ये सब प्रदूषण के प्रमुख कारण है।

पर्यावरण प्रदूषण रोकने के उपाय :– सारा परिवेश विषाक्त हो गया है, सारी मानवता संकट में है। अनेक प्रकार की नई–नई बीमारियों का जन्म हो रहा है। इसे रोकने के लिए आवश्यक कदम उठाना अनिवार्य है। प्रदूषण की समस्या वैसे तो विश्वव्यापी समस्यां है, लेकिन भारतीय प्रदूषण की कुछ अपनी विशिष्ट समस्याएं भी है। यहां प्रदूषण के बहुत बड़े अंश का दायित्व मशीनों और वैज्ञानिक प्रयोगों पर तो है, साथ ही हमारी निर्धनता और उससे उत्पन्न अस्वास्थ्यकर परिस्थितियों और आदतों पर भी है। एक ही घर में गाय, भैंस, मनुष्य जहां साथ रहते है, एक ही जलाशय में जहां मवेशियों को नहलाया जाता हो और वहीं से पीने का पानी लाया जाता है, वहां प्रदूषण को रोकना अति आवश्यक है।

वायु प्रदूषण को रोकने के लिए चिमनियों में फिल्टर लगाये जाये, जो प्रदूषणकारी तत्वों को वायुमण्डल में प्रविष्ट न होने दें। जल प्रदूषण को रोकने के लिए आवश्यक है कि जल स्त्रोंतों में गन्दे पानी को न डाला जाये तथा उद्योग धन्धों से निर्गत पानी को भूमिगत किया जाये। पर्यावरण संरक्षण के लिए वनों की रक्षा पर विशेष बल दिया जाना चाहिए। वन और वनस्पतियां वायुमण्डल से कार्बन–डाई–ऑक्साइड ग्रहण करते है व ऑक्सीजन छोड़ते है। वृक्ष पर्यावरण प्रदूषण को रोकने का सर्वोत्तम साधन है। अतः हम अधिक से अधिक वृक्ष लगाकर पर्यावरण प्रदूषण की हानियों से बच सकते है।

''यदि चाहते हो देश की सुरक्षा,
तो प्रकृति को सुरक्षित करना होगा।

यदि नहीं करते प्रदूषण से सुरक्षा,

तो कैसे हो पायेगी आत्मरक्षा।।

उपसंहार :– प्रदूषण के कारणों और स्वरूपों पर विस्तार से विचार करे तो सभी कुछ दूषित नजर आता है– हवा, पानी, पेड़, पौधे, अन्न। समय रहते यदि प्रदूषण की समस्या का समाधान नहीं किया गया तो भारत ही नहीं संपूर्ण विश्व का विनाश निश्चित है। भोपाल गैस काण्ड एक बड़ी चेतावनी है पर्यावरण की सुरक्षा सामाजिक एवं सामुहिक उत्तरदायित्व है, सभी लोगों और देश को चाहिए कि वह मनुष्य को सर्वनाश से बचाने के लिए पर्यावरण को स्वच्छ बनावें तथा ऐसा कार्य न करें जिससे प्रदूषण की समस्या बढ़े।

(कुल 7 अंक)

(ब) रूपरेखा–

विज्ञान और मानव

1. प्रस्तावना।
2. विज्ञान की प्रगति।
3. विज्ञान से लाभ।
4. विज्ञान से हानि।
5. मानव और विज्ञान का संबंध।
6. उपसंहार।

(कुल 3 अंक)

निर्देशः– निबंध लिखते समय एवं रूपरेखा लिखते समय क्रमबद्धता भूमिका, विवेचना या वर्णन एवं उपसंहार अर्थात मुख्य भाव आकर्षक ढंग से प्रस्तुत किया जाना चाहिए।

– – – – –